EDUZONE: International Peer Reviewed/Refereed Multidisciplinary Journal (EIPRMJ), ISSN: 2319-5045
Volume 15, Issue 1, January - June, 2026, Available online at: www.eduzonejournal.com

“माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों में योग्यता आधारित शिक्षा में कैरियर चयन की भूमिका का अध्ययन”

डॉ. भारती शर्मा[1] , आस्था खांडल[2]

[1]एसोसिएट प्रोफेसर, बियानी गर्ल्स बी. एड .कॉलेज, जयपुर
[2]बी.एड एम.एड छात्रा, बियानी गर्ल्स बी . एड.कॉलेज, जयपुर

सारांश

प्रस्तुत शोध माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों के बीच योग्यता आधारित शिक्षा (competency based education) के संदर्भ में कैरियर चयन की भूमिका को समझाने पर केंद्रित है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं रुचियां एवं कौशलों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने पर विशेष बल दिया जा रहा है, जिससे वह अपने भविष्य के करियर का सही चयन कर सके। इस शोध से यह पाया गया की योग्यता आधारित शिक्षा विद्यार्थियों की स्व अनुभूति, निर्णय लेने की क्षमता तथा विभिन्न करियर विकल्पों के प्रति जागरूकता को बढ़ाती है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनीरुचियां, क्षमताओं का मूल्यांकन कर पाते हैं, जिससे वह अपने लिए उपयुक्त करियर का चयन कर सकते हैं। साथ ही, यह शोध दर्शाता है कि विद्यालयों में उचित मार्गदर्शन, कैरियर परामर्श सेवाएं और व्यावहारिक अनुभव (जैसे प्रोजेक्ट कार्य इंटर्नशिप आदि) विद्यार्थियों के कैरियर चयन को अधिक प्रभावी बनाते हैं। हालांकि, संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव तथा जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियां इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करती है। यदि योग्यता आधारित शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो यह विद्यार्थियों के कैरियर चयन को सटीक, संतुलित और भविष्य उन्मुख बन सकती है।

मुख्य शब्द :योग्यता आधारित शिक्षा , कैरियर चयन, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी, कौशल विकास , शैक्षिक उपलब्धि, रुचि एवं अभिरुचि।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। इसी संदर्भ में “योग्यता आधारित शिक्षा” की अवधारणा शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। योग्यता आधारित शिक्षा का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यवस्तु का ज्ञान देना ही नहीं,बल्कि उन्हें जीवन की वास्तविक परिस्थितियों में सफलतापूर्वक कार्य करने के योग्य बनाना है। माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी किशोरावस्था की अवस्था में होते हैं। यह अवस्था शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होती है इसी स्तर पर विद्यार्थी अपने भविष्य के करियर के बारे में गंभीरता से सोचने लगते है। इसी अवस्था में सही मार्गदर्शन और उपयुक्त शैक्षिक पद्धति का होना अत्यंत आवश्यक है ताकि वे अपनी क्षमताओं और रूचियों के अनुरूप उचित करियर का चयन कर सके। यदि शिक्षा को योग्यता आधारित बनाया जाए तो विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, विश्लेषणात्मक चिंतन, तार्किक दृष्टिकोण तथा सामाजिक समायोजन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

वर्तमान युग में समाज की आवश्यकता है तेजी से बदल रही है। तकनीकी विकास, वैश्वीकरण, डिजिटल क्रांति और प्रतिस्पर्धा के कारण अब केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। आज की विद्यार्थी को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार होना चाहिए। इसी आवश्यकता ने “योग्यता आधारित शिक्षा” को जन्म दिया। योग्यता आधारित शिक्षा ऐसी प्रणाली है जिसमें विद्यार्थी की प्रगति उसकी वास्तविक क्षमताओं और दक्षताओं के आधार पर मापी जाती है। इसमें केवल यह नहीं देखा जाता कि विद्यार्थी ने कितना याद किया है बल्कि यह देखा जाता है कि वह सीखे हुए ज्ञान का प्रयोग किस प्रकार करता है। योग्यता आधारित शिक्षा वह शिक्षा प्रणाली है जिसमें अधिगम परिणाम स्पष्ट रूप से निर्धारित किए जाते हैं और विद्यार्थियों की प्रगति इन परिणामों की प्राप्ति के आधार पर मापी जाती है। इस प्रणाली में विद्यार्थी तब तक अगले स्तर पर नहीं जाता जब तक वह निर्धारित योग्यता प्राप्त न कर ले अर्थात सरल शब्दों में योग्यता आधारित शिक्षा अंक आधारित नहीं बल्कि क्षमता आधारित होती है।

2. समस्या का औचित्य

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में यह देखा जाता है कि अनेक विद्यार्थी अपने करियर का चयन बिना पर्याप्त जानकारी, मार्गदर्शन एवं आत्म विश्लेषण के कर लेते हैं, जिसके परिणाम स्वरुप वे आगे चलकर असंतोष, तनाव एवं असफलता का अनुभव करते हैं। विशेष रूप से माध्यमिक स्तर पर, जहां विद्यार्थियों के जीवन की दिशा तय होने लगती है, सही करियर चयन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली अधिकतर सैद्धांतिक ज्ञान पर आधारित रही है जिसमें विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचियां क्षमताओं एवं योग्यता को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। जिसके कारण कहीं बार विद्यार्थी अपनी वास्तविक क्षमताओं के अनुरूप क्षेत्र का चयन नहीं कर पाते। ऐसे में योग्यता आधारित शिक्षा की आवश्यकता महसूस होती है, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास पर बल देती है और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों में कैरियर परामर्श की कमी,

अभिभावकों एवं समाज का दबाव, तथा रोजगार के बदलते स्वरूप भी विद्यार्थियों के कैरियर चैन को प्रभावित करते हैं। यदि विद्यार्थियों को समय पर उचित मार्गदर्शन और कौशल आधारित शिक्षा नहीं मिलती, तो वह गलत निर्णय ले सकते हैं, जिसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। अतः इस समस्या का अध्ययन करना आवश्यक है, ताकि यह समझ जा सके की योग्यता आधारित शिक्षा किस प्रकार विद्यार्थियों को सही कैरियर चयन में सहायता प्रदान कर सकती है। वर्तमान में शिक्षा प्रणाली में सुधार हेतु अनेक प्रयास किया जा रहे हैं। परंतु अभी भी विद्यालयों में परंपरागत शिक्षण पद्धति का प्रभुत्व है। विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर लेते हैं परंतु व्यवहारिक जीवन में आवश्यक कौशलों की कमी देखी जाती है। माध्यमिक स्तर शिक्षा का एक महत्वपूर्ण चरण होता है। इसी स्तर पर विद्यार्थी अपनी रुचियां क्षमता और योग्यताओं को समझना प्रारंभ करते हैं तथा भविष्य में कौन सा विषय चुना है, इसका निर्णय लेने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि इस स्तर पर विद्यार्थियों में उनकी योग्यता के अनुसार शिक्षा प्रदान की जाए। किंतु वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अधिकांश यह देखा जाता है कि विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यताओं और रुचियां को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता विद्यार्थी अक्सर अपने करियर का चयन अभिभावकों के दबाव, समाज की अपेक्षाएं, मित्रों के प्रभाव या लोकप्रिय धाराएं जैसे डॉक्टर इंजीनियर आदि बनना आदि के आधारों पर करते हैं। इसके परिणाम स्वरुप कहीं बार विद्यार्थी अपनी वास्तविक योग्यता के अनुरूप क्षेत्र का चयन नहीं कर पाते इससे उनकी पढ़ाई के प्रति अरुचि, असंतोष और असफलता की भावना उत्पन्न हो सकती है, जो उनकी मानसिक एवं भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करती है।

रिसर्च प्रश्न:

1. क्या माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाती है या नहीं ?
2. क्या माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में सक्षम है या नहीं ?
3. क्या माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा को अपनाने के बाद सभी को रोजगार प्राप्त होता है या नहीं ?
4. क्या माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा को अपनाना उचित है या नहीं ?

3. संबंधित साहित्य

1. मरीना जी सर्गेइवा, वी स्कोवत्सोर्व , आई पोलियाकोवा, ओलेग वी मतवीव, एलेना वी लुचिना, यूलिया ए मामेवा, अन्ना ए सुचिलिना (2019) ने "व्यावसायिक शिक्षा में योग्यता-आधारित शिक्षण के कार्यान्वयन में छात्रों की व्यावसायिक आत्मनिर्णय क्षमता"। उद्देश्य: इस अध्ययन का उद्देश्य यह समझना था कि योग्यता-आधारित शिक्षा के तहत व्यावसायिक शिक्षा के छात्रों में आत्मनिर्णय की क्षमता कैसे विकसित होती है और यह उनके व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक विकास को कैसे प्रभावित करती है। निष्कर्ष: अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि आत्मनिर्णय एक स्व-निर्देशित और उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है, जो छात्रों को सही समय पर करियर संबंधी निर्णय लेने में सक्षम बनाती है और उनके समग्र विकास व समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देती है।
2. टैसेटीन अकीगोज (2021) ने योग्यता आधारित शिक्षा: सिद्धान्त और व्यवहार का अध्ययन। उद्देश्य- शैक्षिक विशेषज्ञों के विचारों के आधार पर योग्यता आधारित शिक्षा की व्यापक समझ विकसित करना और इस संबंध उपलब्ध साहित्य की समीक्षा करना था।अध्ययन में मिश्रित पद्धति का उपयोग करते हुए यह जानने का प्रयास किया गया कि सीबीई की अवधारणा, इतिहास, कार्यान्वयन और पारंपरिक शिक्षा से इसका अंतर क्या है। निष्कर्ष – विशेषज्ञों के बीच कौशल और अधिगम परिणामों को लेकर समान्य सहमति है, लेकिन "योग्यता" "क्षमता" ओर "दक्षता" जैसे शब्दों के उपयोग में एकरूपता नहीं है।साथ ही यह भी सामने आया कि CBE को कई बार दक्षता-आधारित शिक्षा के साथ भ्रमित किया जाता है, जबकि इसका मुख्य फोकस छात्रों के समग्र विकास और उनकी क्षमताओं के निर्माण पर होता है।
3. ऑड्रे पी रोजर्स (2021) ने "योग्यता-आधारित शिक्षा को लागू करने के संबंध में माध्यमिक शिक्षकों के दृष्टिकोण का अन्वेषण करना"। उद्देश्य: इस अध्ययन का उद्देश्य न्यू हैम्पशायर के माध्यमिक और उच्च विद्यालयों के शिक्षकों की योग्यता-आधारित शिक्षा (सीबीई) के प्रति मान्यताओं, उनके कक्षा-व्यवहार और छात्रों पर इसके प्रभाव का गहन विश्लेषण करना था। निष्कर्ष: अध्ययन में पाया गया कि सीबीई का कार्यान्वयन अलग-अलग जिलों में भिन्न था और यह शिक्षकों की मान्यताओं तथा प्रशासनिक सहयोग पर निर्भर करता है। जहां इसका प्रभावी कार्यान्वयन हुआ, वहां शिक्षण पद्धतियों में सकारात्मक परिवर्तन और छात्रों की भागीदारी में वृद्धि देखी गई।
4. तेरटुला ,थियोबाल्ड किमारियो, कैनेडी ओमोंडी ओटिएनो (2022) ने योग्यता आधारित पाठ्यक्रम का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव: अरुशा नगर परिषद के माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन। उद्देश्य-तंजानिया के अरूशा नगर परिषद के माध्यमिक विद्यालयों में योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम (CBC) के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का आकलन करना था। इसके अंतर्गत यह जांचा गया कि CBC का कार्यान्वयन किस प्रकार छात्रों के सीखने और प्रदर्शन को प्रभावित करता है। निष्कर्ष- छात्र-केंद्रित शिक्षण, चर्चा, प्रदर्शन और व्यावहारिक गतिविधियों के उपयोग से छात्रों के सीखने में सुधार हुआ। साथ ही CBC ने रचनात्मकता, नवाचार, स्वरोजगार और विभिन्न कौशलों के विकास को बढ़ावा दिया, जो भविष्य के करियर निर्माण में सहायक हैं। अध्ययन ने यह भी सुझाव दिया कि छात्रों के समग्र विकास के लिए सभी माध्यमिक विद्यालयों में CBC को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए।

3.1 साहित्य विवेचना:

मरीना जी सर्गेइवा, वी स्कोवत्सोर्व , आई पोलियाकोवा, ओलेग वी मतवीव, एलेना वी लुचिना, यूलिया ए मामेवा, अन्ना ए सुचिलिना (2019):यह साहित्य दर्शाता है कि योग्यता-आधारित शिक्षा छात्रों में आत्मनिर्णय क्षमता का विकास करती है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि कक्षा के भीतर इस क्षमता को विकसित करने के लिए कौन-सी विशिष्ट शिक्षण रणनीतियाँ या गतिविधियाँ अपनाई जानी चाहिए। इन कमियों को दूर करते हुए शोधकृति का शोध आत्मनिर्णय क्षमता को विकसित करने के लिए व्यावहारिक, क्रियाशील

(actionable) शिक्षण रणनीतियाँ प्रस्तुत करता है, जैसे—निर्णय-आधारित गतिविधियाँ, समस्या-समाधान कार्य, और छात्र-केंद्रित शिक्षण विधियाँ। यह इसे सीधे कक्षा-व्यवहार और पाठ्यक्रम से जोड़ता है। टैसेटीन अकीगोज (2021) ने इस साहित्य में योग्यता-आधारित शिक्षा के सैद्धांतिक पक्ष का गहन विश्लेषण किया गया है, लेकिन "योग्यता", "दक्षता" और "क्षमता" जैसी मूल अवधारणाओं की स्पष्ट एवं सर्वमान्य परिभाषा का अभाव है। इससे शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए इन अवधारणाओं को व्यवहार में लागू करना कठिन हो जाता है। साथ ही, यह अध्ययन व्यावहारिक उदाहरणों और फील्ड डेटा से भी वंचित है। इन कमियों को दूर करते हुए शोधकृति का शोध इन अवधारणाओं को न केवल स्पष्ट करता है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक संदर्भ में परिभाषित करता है। साथ ही, यह अध्ययन इन सिद्धांतों को कक्षा-शिक्षण, गतिविधियों और मूल्यांकन से जोड़ते हुए यह दर्शाता है कि इन्हें व्यवहार में किस प्रकार लागू किया जा सकता है। ऑड्रे पी रोजर्स (2021) ने इस साहित्य में यह बताया गया कि CBE का कार्यान्वयन विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न है और यह शिक्षकों की मान्यताओं तथा प्रशासनिक सहयोग पर निर्भर करता है। हालांकि, यह अध्ययन इन समस्याओं के ठोस समाधान या सुधारात्मक उपाय प्रस्तुत नहीं करता।

साथ ही, शिक्षक प्रशिक्षण और उनकी तैयारी पर गहराई से चर्चा नहीं की गई है। इन कमियों को दूर करते हुए शोधकृति का शोध इन अंतर को पहचानते हुए शिक्षक प्रशिक्षण, पेशेवर विकास (professional development) और संस्थागत समर्थन पर विशेष ध्यान देता है। यह कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए व्यावहारिक सुझाव और रणनीतियाँ प्रदान करता है, जिससे CBE को अधिक प्रभावी और एकरूप तरीके से लागू किया जा सके। तेरटुला ,थियोबाल्ड किमारियो, कैनेडी ओमोंडी ओटिएनो (2022) ने यह साहित्य योग्यता-आधारित शिक्षा के सकारात्मक प्रभावों—जैसे शैक्षिक उपलब्धि, रचनात्मकता और कौशल विकास—को दर्शाता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि ये परिणाम किन विशेष परिस्थितियों, रणनीतियों या शिक्षण विधियों के कारण प्राप्त हुए। अर्थात्, इसमें प्रक्रियात्मक (process-oriented) विश्लेषण की कमी है। इन कमियों को दूर करते हुए शोधकृति का शोध केवल इन परिणामों पर ही नहीं, बल्कि उन परिणामों तक पहुँचने वाली पूरी प्रक्रिया (teaching-learning process) का विश्लेषण करता है। इसमें यह बताया गया है कि कौन-सी गतिविधियाँ, शिक्षण तकनीकें और वातावरण इन सकारात्मक परिणामों को उत्पन्न करते हैं, जिससे अध्ययन अधिक व्यावहारिक और उपयोगी बनता है।

4. समस्या कथन:
"माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों में योग्यता आधारित शिक्षा में कैरियर चयन की भूमिका का अध्ययन"।

5. **शोध अध्ययन के उद्देश्य**

- माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा में छात्रों के विशिष्ट कौशल और ज्ञान पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा के विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा में छात्रों के आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा के आधार पर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना।

6. शोध मे प्रयुक्त विधि : प्रस्तुत शोध में प्रस्तावित उद्देश्यों को देखते हुए इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

6.1 **जनसंख्या** : प्रस्तुत शोध में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्यनरत 200 विद्यार्थियो को सम्मिलित किया गया हैA

6.2 चर :–

- **स्वतंत्र चर** : योग्यता आधारित षिक्षा
- **आश्रित चर** : करियर चयन

6.3. न्यादर्श: 200 विद्यार्थी को सम्मिलित किया गया है। जिसमें 100 विद्यार्थी शहरी क्षेत्र व 100 विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र से चयनित किए गए। जिसमें 100 सरकारी व 100 गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

7. शोध में प्रयुक्त उपकरण :
प्रस्तुत शोध में स्व:निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है। इस में डाईकोटोंमस स्केल का प्रयोग किया गया है । जिसमे 30 प्रश्नों का समावेश किया गया है एवं उत्तरों के विकल्पों में हां व नहीं के दो विकल्प दिए गए हैं। इसमें आयामों के आधार पर प्रश्नों को विभक्त किया गया है। "योग्यता के विकास" पर पड़ने वाले प्रभावो की संख्या वाले प्रश्नों 10 है जिसमे 9 प्रश्न सकारात्मक है वह 1 प्रश्न नकारात्मक है।"आत्मविश्वास" पर पढ़ने वाले प्रभाव में 10 प्रश्न जिसमे से 8 प्रश्न सकारात्मक व 2 प्रश्न नकारात्मक है।"विशिष्ट कौशल व ज्ञान" के प्रश्नों की संख्या 10 है जिसमें से 8 प्रश्न सकारात्मक वह दो 2 प्रश्न नकारात्मक है। अतः कुल प्रश्नों की संख्या 30 है उनमें से 25 प्रश्न सकारात्मक है वह 5 प्रश्न नकारात्मक है।प्रकृति सकारत्मक व नकारात्मक दोनों प्रकार की है।

7.1 वैधता एवं विश्वसनीयता:
प्रस्तुत शोध उपकरण की विषय-वस्तु वैधता सुनिश्चित करने केलिए इसे शिक्षा क्षेत्र के तीन विशेषज्ञों (एक प्रोफेसर एवं दो सहायक प्रोफेसर) को प्रेषित किया गया। विशेषज्ञों द्वारा शोध के उद्देश्य-माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में योगग्ता आधारित शिक्षा के माध्यम

से कैरियर चयन की भूमिका–के अनुरूप प्रश्न की उपयुक्तता, स्पष्टता एवं प्रासंगिकिता का परीक्षण किया गया। उनके सुझावों के आधार पर प्रश्नावली की भाषा को सरल एवं सुबोध बनाया गया तथा अनावश्यक एवं दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर उपकरण की संरचनात्मक वैधता को सुदृढ़ किया गया।

7.2 परीक्षण की विश्वसनीयता:
प्रश्नावली की आंतरिक संगति ज्ञात करने हेतु कुडर-रिचर्सन सूत्र20 (KR-20) का प्रयोग किया गया। यह विधि दी विकल्प(डाइकोटॉमस) स्केंल पर आधारित डेटा के लिए उपयुक्त मानी जाती है। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से KR-20 का मान 0.83 प्राप्त हुआ। चूंकि यह मान 0.70 से अधिक है, अत: यह सिद्ध होता है कि शोध उपकरण उच्च स्तर की विश्वसनीयता रखता हैतथा माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में योग्यता आधारित शिक्षा संदर्भ में कैरियर चयन से संबंधित वास्तविक डेटा संकलन हेतु उपयुक्त है।

7.3 सांख्यिकी:

प्रस्तुत अध्ययन में डाटा सांख्यिकी विश्लेषण के लिए निम्न अंकन पद्धति अपनाई गई है –

प्रश्न की प्रकृति	विकल्प 'हां'	विकल्प 'नहीं'
सकारात्मक	1 अंक	0 अंक
नकारात्मक	0 अंक	1 अंक

सांख्यिकी के रूप में प्रतिशत विधि का उपयोग किया गया।

8. डाटा विश्लेषण एवं व्याख्या:
1. उद्देश्य: माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा में छात्रों के विशिष्ट कौशल और ज्ञान पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

श्रेणी	ग्रामीण	प्रतिशत	शहरी	प्रतिशत
स्पष्ट सुधार	47	47%	63	63%
आंशिक सुधार	37	37%	27	27%
सुधार नहीं	16	16%	10	10%
कुल	100	100%	100	100%

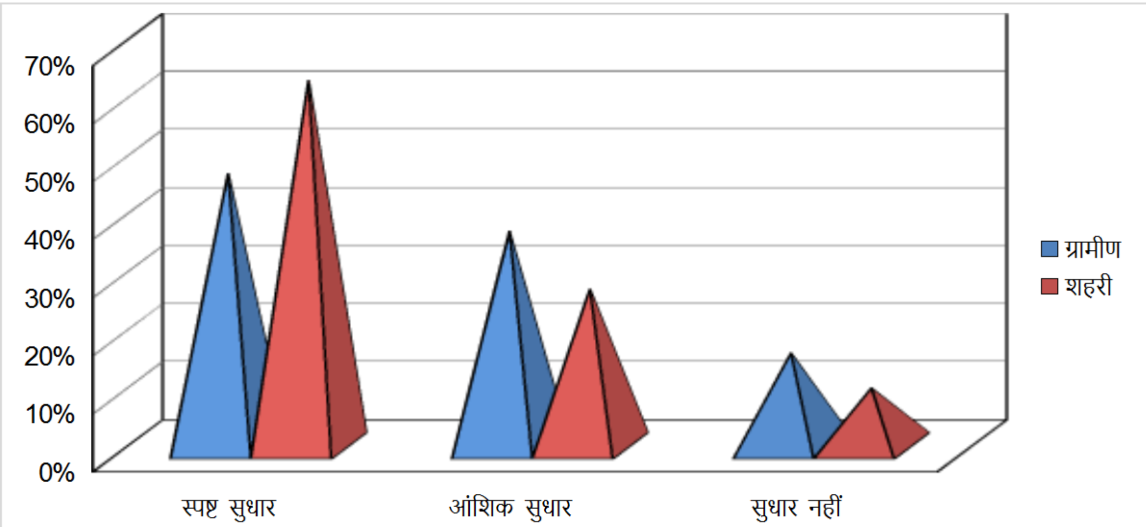

इस ग्राफ से ज्ञात होता है कि शहरी क्षेत्र के 63% विद्यार्थियों में विशिष्ट कौशल एवं विषयगत ज्ञान में स्पष्ट सुधार हुआ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह प्रतिशत 27% है।

यह अंतर दर्शाता है की शहरी विद्यालयों में प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल संसाधन तथा सह पाठयक्रम गतिविधियां अधिक उपलब्ध है, जो कौशल विकास को प्रोत्साहित करती है।

ग्रामीण क्षेत्र में 10% विद्यार्थियों ने आंशिक सुधार अनुभव किया, जो यह इंगित करता है कि यदि संसाधनों एवं प्रतिशत की उपलब्धता बढ़ाई जाए तो परिणाम और बेहतर हो सकते हैं।

EDUZONE: International Peer Reviewed/Refereed Multidisciplinary Journal (EIPRMJ), ISSN: 2319-5045
Volume 15, Issue 1, January - June, 2026, Available online at: www.eduzonejournal.com

यह भी स्पष्ट है की योग्यता आधारित शिक्षा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यावहारिक कौशल समस्या समाधान क्षमता एवं रचनात्मक सोच का विकास करती है।

2. माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा के विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

श्रेणी	ग्रामीण	प्रतिशत	शहरी	प्रतिशत
आत्म विश्वास में वृद्धि	49	49%	59	59%
सामान्य वृद्धि	35	35%	31	31%
कोई विशेष वृद्धि नहीं	16	16%	10	10%
कुल	100	100%	100	100%

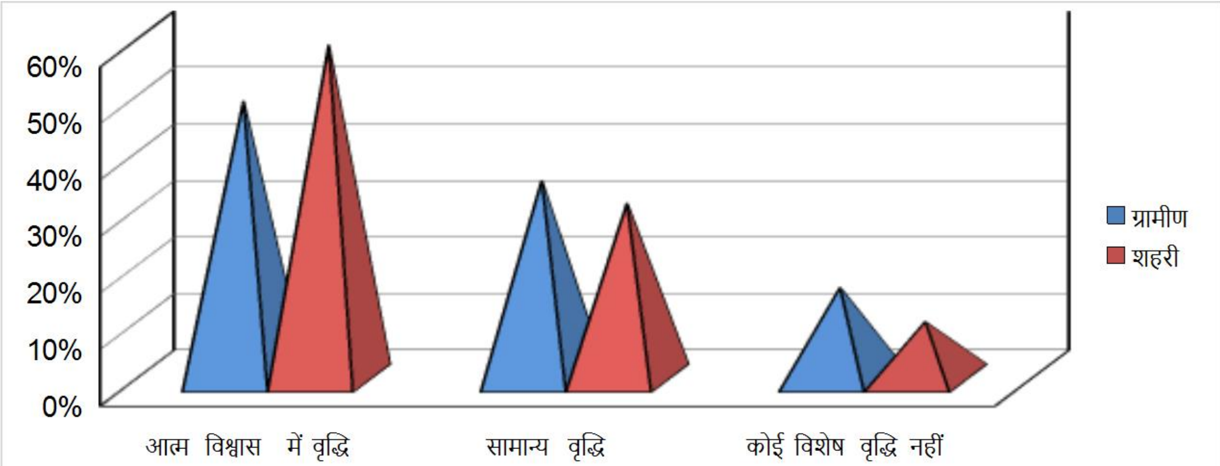

आत्मविश्वास किसी भी विद्यार्थी के समग्र व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण घटक है। तालिका से स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्र के 59% विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास में स्पष्ट वृद्धि का अनुभव किया जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह 49% है। यह अंतर इस तथ्य को दर्शाता है की शहरी विद्यार्थियों को प्रस्तुतीकरण समूह चर्चा परियोजना कार्य तथा तकनीकी साधनो के उपयोग के अधिक अवसर मिलते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास अधिक विकसित होता है।

ग्रामीण क्षेत्र में 35% विद्यार्थियों ने सामान्य वृद्धि का अनुभव कि, जो कि यह संकेत देता है की योग्यता आधारित शिक्षा का प्रभाव वहां भी सकारात्मक है , किंतु उसे अधिक सुदृढ बनाने की आवश्यकता है।

निम्न श्रेणी (कोई विशेष वृद्धि नहीं) में ग्रामीण विद्यार्थियों का प्रतिशत अधिक है यह सामाजिक झिझक, भाषा संबंधी बंधाए मंच भाई तथा पारिवारिक शैक्षिक पृष्ठभूमि के कारण हो सकता है समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट है की योग्यता आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास वृद्धि हेतु अत्यंत प्रभावित है।

1. माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा में योग्यता के विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

श्रेणी	ग्रामीण	प्रतिशत	शहरी	प्रतिशत
उच्च प्रभाव	50	50%	60	60%
मध्यम प्रभाव	34	34%	30	30%
निम्न प्रभाव	16	16%	10	10%
कुल	100	100%	100	100%

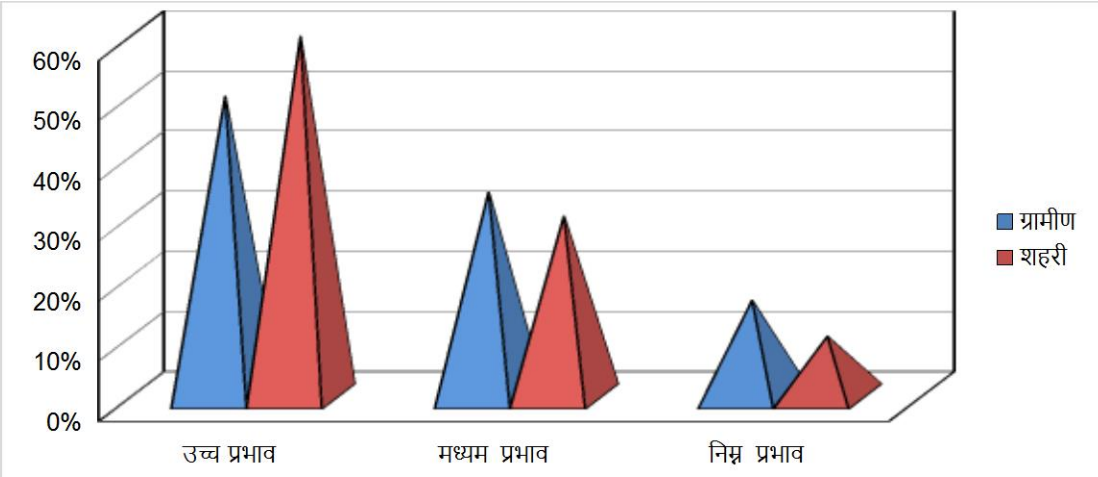

तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के 50% विद्यार्थियों ने योग्यता आधारित शिक्षा के कारण अपनी शैक्षिक एवं बौद्धिक योग्यता में उच्च स्तर का विकास अनुभव किया, जबकि शहरी क्षेत्र में यह प्रतिशत साथ है। यह अंतर दर्शाता है कि शहरी क्षेत्र में संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों, तकनीकी संसाधनों एवं अनुकूल शैक्षिक वातावरण की उपलब्धता के कारण योग्यता आधारित शिक्षा अधिक प्रभावी सिद्ध हो रही है।

ग्रामीण क्षेत्र में 34% विद्यार्थियों ने मध्यम स्तर का प्रभाव अनुभव किया जबकि शहरी क्षेत्र में यह 30% है इसका अर्थ यह है कि ग्रामीण क्षेत्र में कुछ विद्यार्थियों को अपेक्षित मार्गदर्शन या संसाधन पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं।

निम्न प्रभाव की श्रेणी में ग्रामीण विद्यार्थियों का प्रतिशत (16%) शहरी विद्यार्थियों का 10% से अधिक है यह अंतर सामाजिक आर्थिक स्थिति पारिवारिक सहयोग की कमी डिजिटल साक्षरता की कमी तथा अधो संरचना के अभाव को इंगित करता है समग्र रूप से देखा जाए तो दोनों क्षेत्रों में योग्यता आधारित शिक्षा का प्रभाव सकारात्मक है परंतु शहरी क्षेत्र में इसकी प्रभावशीलता अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

2. उद्देश्य: माध्यमिक स्तर पर योग्यता आधारित शिक्षा के आधार पर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना।

श्रेणी	ग्रामीण	प्रतिशत	शहरी	प्रतिशत
पूर्णत: तैयार	43	43%	58	58
आंशिक रूप से तैयार	40	40%	30	30
तैयार नहीं	17	17%	12	12
कुल	100	100%	100	100%

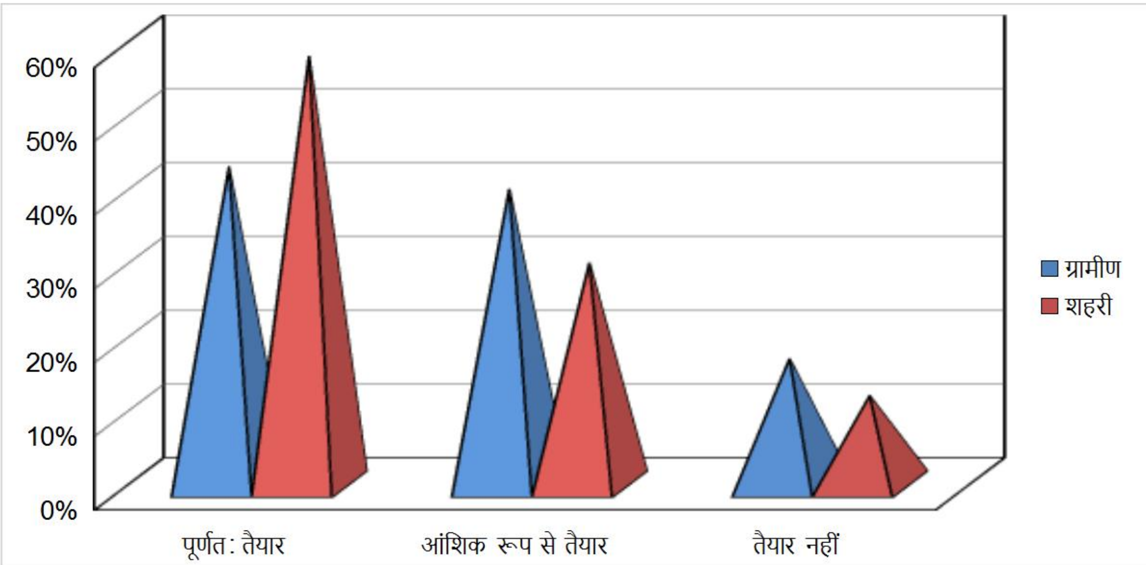

भविष्य की तैयारी में शहरी विद्यार्थियों का प्रतिशत 58% है ग्रामीण विद्यार्थियों का 43% है। यह अंतर करियर मार्गदर्शन, तकनीकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं सूचना की उपलब्धता के कारण हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्र में 40% विद्यार्थियों ने स्वयं को आंशिक रूप से तैयार माना जो यह संकेत देता है की योग्यता आधारित शिक्षा वहां भी प्रभावित है परंतु मार्गदर्शन एवं संसाधनों की कमी के कारण उनका पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है ।

यह स्पष्ट है की योग्यता आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए नहीं बल्कि जीवन कौशल व्यावसायिक दक्षता एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में भी तैयार करती है।

9. परिणाम:

इस शोध से यह निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों में योग्यता आधारित शिक्षा, कैरियर चैन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार की योग्यताएं एवं क्षमताएं विद्यमान होती है किंतु उन्हें अपनी योग्यता के अनुरूप करियर के बारे में पर्याप्त एवं स्पष्ट जानकारी नहीं होती परिणाम स्वरुप विद्यार्थी अपनी रुचि एवं क्षमता के विपरीत कैरियर चयन कर लेते हैं। यदि विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार उचित मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया जाए तो वे अपने भविष्य के लिए बेहतर एवं उपयुक्त करियर का चयन कर सके।

10. शैक्षिक निहितार्थ:

- माध्यमिक विद्यालयों में योग्यता आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पाठ्यक्रम में कौशल आधारित एवं व्यवहारिक गतिविधियों को शामिल किया जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से कैरियर मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए जिससे वह अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार सही करियर का चयन कर सके।
- शिक्षकों को योग्यता आधारित शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वह विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचान कर उन्हें उचित दिशा प्रदान कर सके।
- शिक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थियों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत एवं लचीली शिक्षण विधियो को अपनाया जाना चाहिए।
- विद्यालयों में आवश्यक संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि योग्यता आधारित शिक्षा का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।
- समय-समय पर शिक्षा प्रणाली एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों की समीक्षा कर उनमें आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए।

11. सुझाव:

- माध्यमिक विद्यालयों में योग्यता आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पाठ्यक्रम में कौशल एवं गतिविधि आधारित विषयों को शामिल किया जाए।
- विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से कैरियर मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएँ, जिससे वे अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार सही कैरियर का चयन कर सकें।
- शिक्षकों को योग्यता आधारित शिक्षण पद्धतियों एवं नई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचान सकें।
- विद्यालयों में प्रोजेक्ट कार्य, फील्ड वर्क एवं व्यावहारिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन का अनुभव प्राप्त हो सके।
- मूल्यांकन प्रणाली में सुधार कर उसे केवल परीक्षा आधारित न रखकर कौशल एवं योग्यता आधारित बनाया जाए।

12. अध्ययन का महत्व:

यह माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के कैरियर चयन में योग्यता आधारित शिक्षा की भूमिका को स्पष्ट करता है। वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं , बल्कि विद्यार्थियों के कौशल ,रुचि एवं क्षमताओं के समुचित विकास पर भी बल दिया जा रहा है ऐसे में यह अध्ययन यह समझने में सहायक है कि किस प्रकार योग्यता आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को अपनी वास्तविक क्षमताओं की पहचान करने तथा उनके अनुरूप सही करियर का चयन करने में मदद करती है। यह शिक्षकों के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके माध्यम से वे विद्यार्थियों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं को समझ कर अधिक प्रभावी शिक्षण विधियां का प्रयोग कर सकते हैं साथ ही यह विद्यालयों एवं शिक्षा नीति निर्माता को पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रणाली में आवश्यक सुधार करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। विद्यार्थियों पर भी अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचियां एवं क्षमताओं के अनुसार उन्हें प्रोत्साहित करना अधिक लाभकारी सिद्ध हुआ है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, आत्म जागरूकता एवं निर्णय लेने की क्षमता के विकास में भी सहायक सिद्ध हुई हैं।

13. संदर्भ ग्रंथ सूची

1. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नई दिल्ली।
2. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद(NCERT) (2021). योग्यता आधारित शिक्षा के दिशा निर्देश नई दिल्ली।
3. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान (2022). माध्यमिक शिक्षा के नवीन शिक्षण पद्धतियां. अजमेर।
4. UNESCO 2017. Competency based education and learning pairs.
5. टैसेटीन अकीगोज (2021) ने योग्यता आधारित शिक्षा: सिद्धान्त और व्यवहार का अध्ययन।
6. तेरटुला ,थियोबाल्ड किमारियो, कैनेडी ओमोंडी ओटिएनो (2022) ने योग्यता आधारित पाठ्यक्रम का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव: अरुशा नगर परिषद के माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन।
7. मरीना जी सर्गेइवा, वी स्कोवत्सोर्व , आई पोलियाकोवा, ओलेग वी मतवीव, एलेना वी लुचिना, यूलिया ए मामेवा, अन्ना ए सुचिलिना (2019) ने "व्यावसायिक शिक्षा में योग्यता-आधारित शिक्षण के कार्यान्वयन में छात्रों की व्यावसायिक आत्मनिर्णय क्षमता"।
8. ऑड्रे पी रोजर्स (2021) ने "योग्यता-आधारित शिक्षा को लागू करने के संबंध में माध्यमिक शिक्षकों के दृष्टिकोण का अन्वेषण करना"।

वेब लिंक

1. https://www.prodigygame.com
2. https://airccse.com
3. https://www.ijfmr.com
4. https://inspirajournals.com